

**षडूषण** पुं. (तत्.) आयु. एक विशेष प्रकार की औषधि जिसमें पीपल, पीपलामूल, चीता, चव्य, सोंठ और काली मिर्च इन छह कटु द्रव्यों का समान अनुपात में मिश्रण।

**षड्ऋतु** स्त्री. (तत्.) छह ऋतुएँ- वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शिशिर जो साल में एक क्रम से होती हैं।

**षड्गुण** पुं. (तत्.) 1. छह गुणों का समूह (राजनीति) 2. विदेशनीति में उपयोगी महत्वपूर्ण छह गुण जैसे- 1. संधि (मेल-मिलाप) 2. विग्रह (विघटन) 3. यान (युद्ध के लिए प्रस्थान) 4. आसन (घेरा डालना) 5. द्वैधीभाव (शत्रुओं को लड़ाना) 6. संश्रय किसी शक्तिशाली राज्य का आश्रय लेना।

**षड्चरण** पुं. (तत्.) 1. भौंरा, भ्रमर 2. खटमल।

**षड्ज** पुं. (तत्.) संगीत के सात, स्वरों के समूह में प्रथम स्वर 'सा' तथा कुछ के मत में चतुर्थ स्वर इसका उच्चारण नासा. कंठ, तालु, दंत, उर, जिह्वा इन छह स्थानों से होता है।

**षड्जित** वि. (तत्.) (सेना के) छह अंगों को जीतने वाला पुं. विष्णु।

**षड्दर्शन** पुं. (तत्.) छह भारतीय दर्शन दे. षट्दर्शन

**षड्दर्शनी** पुं. (तत्.) सांख्य-योगादि भारतीय षड् दर्शनों का विद्वान।

**षड्दुर्ग** पुं. (तत्.) छह प्रकार के दुर्ग जो प्राचीन काल में राज्य सुरक्षा हेतु सैन्य बल के लिए बने होते थे जैसे- धन्वदुर्ग, मही दुर्ग, गिरिदुर्ग, मनुष्य दुर्ग, मृदुदुर्ग, और वनदुर्ग।

**षड्धा** अव्य. (तत्.) छह प्रकार से।

**षड्भाषा** स्त्री. (तत्.) छह भाषाओं के मिश्रण से बनी भाषा पुरानी हिंदी जैसे- संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, शौरसेनी, मागधी और पैशाची इन छह भाषाओं से युक्त रचना 'पृथ्वीराज रासो'।

**षड्भुजा** स्त्री. (तत्.) 1. छह भुजाओं वाली दुर्गा 2. खरबूजा।

**षड्यंत्र** पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति के अनजाने उसके प्रति अनिष्ट कार्य की योजना, दुरभिसंधि, साजिश, जाल।

**षड्योनि** पुं. (तत्.) शिलाओं के रस के रूप में अत्यंत पौष्टिक औषधि, शिलाजीत (शिलाजतु)

**षड्राग** पुं. (तत्.) संगीत के मुख्य छह राग दे. षट्राग

**षड्रिपु** पुं. (तत्.) मानव के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर ये छह मनोविकार जो शत्रु के समान हानिकारक माने गए हैं।

**षड्वक्त्र** वि. (तत्.) जो छह मुखों वाला हो पुं. कार्तिकेय, स्कंद।

**षड्वदन** पुं. (तत्.) दे. षड्वक्त्र।

**षड्विकार** पुं. (तत्.) छह प्रकार के दोष- काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर भा.दर्शन प्राणियों के छह विकार या परिवर्तन उत्पत्ति, शारीरिक वृद्धि, बाल्यावस्था, प्रौढ़ता, वृद्धावस्था, नाश (मृत्यु)।

**षड्विध** वि. (तत्.) जो छह प्रकार या तरह का हो जैसे- षड्विध समास, षड्विध तत्त्व।

**षण्मास** पुं. (तत्.) छह महीने, छह मास।

**षण्मुख** पुं. (तत्.) कार्तिकेय (शिव-पार्वती का पुत्र)।

**षपरा** पुं. (तद्.) खप्पर, खपरा।

**षरतर** वि. (तद्.) जो बहुत अधिक खर (उग्र) हो, प्रचंड।

**षष्टि** स्त्री. (तत्.) 1. साठ (60) की संख्या जो पचास से दस अधिक हो जैसे- प्रभव आदि 2. साठ संवत्सरों का एक चक्र

**षष्टिक** पुं. (तत्.) साठी नाम एक प्रकार का धान।

**षष्टिपूर्ति** स्त्री. (तत्.) 1. साठ वर्ष की आयु पूरा होना 2. एक प्रकार के उत्सव की परंपरा जो साठ वर्ष की आयु पूरी होने पर पूर्ण उत्साह के साथ मनाया जाता है।

**षष्ठ** वि. (तत्.) गणना में छह के स्थान में आने वाला छठा जैसे- यहाँ से षष्ठ स्तंभ के पास।

**षष्ठक** वि. (तत्.) गिनती में छठा।

**षष्ठकाल** पुं. (तत्.) भोजन करने की दृष्टि से छठा भोजन-काल।